IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, January 2023
Impact Factor: 7.301

उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र-छात्राओं के पारिवारिक वातावरण और सामाजिक बुद्धिमत्ता के बीच संबंधों का अध्ययन

प्रियंका पाण्डेय
प्रोजेक्ट एसोसिएट–1, योग
सी. एस. आई. आर., टी. के. डी. एल., नई दिल्ली

शोध सारांश

यह माता-पिता की जिम्मेदारी होती है, कि अपने बच्चों को पर्याप्त समय दे और समय के साथ ही परिवारिश करने के तरीकों में बदलाव करें,ताकि संस्कारों के साथ बच्चों का पालन-पोषण हो सके। इस संबंध में माण्टेसरी का कथन महत्वपूर्ण है,जिसमें उन्होने सुझाव दिया था कि घर के वातावरण की तरह ही विद्यालयों का वातावरण होने चाहिये। इसका अर्थ है कि जिस प्रकार से प्रेमपूर्वक बच्चों की घर में परवारिश होती है, उसी प्रकार से विद्यालयों में विद्यार्थियों की प्रेमपूर्वक ही शिक्षा-दीक्षा होनी चाहिये। यही माहौल बच्चों के शैक्षणिक विकास के साथ ही व्यक्तित्व के निर्माण में सहायक होता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन के दौरान उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र-छात्राओं के पारिवारिक वातावरण और सामाजिक बुद्धिमत्ता के बीच संबंधों का अध्ययन किया गया है। अध्ययन सर्वेक्षण विवरणात्मक शोध प्रविधि से पूरा किया गया है। अध्ययन के दौरान उच्च, मध्यम और निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों के बीच में सामाजिक बुद्धिमत्ता के बीच में सार्थक अंतर पाया गया है। इसका अर्थ है कि पारिवारिक वातावरण का प्रत्यक्ष प्रभाव विद्यार्थियों की सामाजिक बुद्धिमत्ता पर पड़ता है।

बीज शब्द- पारवारिक वातावरण, सामाजिक बुद्धिमत्ता, प्रत्यक्ष प्रभाव, प्रेमपूर्वक, शिक्षा-दीक्षा, संस्कार आदि।

प्रस्तावना

अच्छे पारिवारिक वातावरण में माता-पिता अपने बच्चे को पर्याप्त समय देते हैं, इसके साथ-साथ परिवार के अन्य सदस्य भी बच्चों को प्रेम प्रदान करते हैं, जो उनकी शैक्षिक अभिरूचि के साथ-साथ व्यक्तित्व निर्माण में सहायक होता है। स्नेह, प्रेम, सौहार्द के अलावा बालक की अन्य

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, January 2023
Impact Factor: 7.301

आवश्यकताओं को भी ध्यान में रखना और उसकी समय-समय पर पूर्ति करना अनिवार्य है, क्योंकि उसके समुचित विकास के लिए परिवार में भावनात्मक वातावरण का निर्माण एवं सुरक्षा दोनों आवश्यक है। जिस परिवार के बच्चे को घर में समय-समय पर स्नेह मिलता रहता है, उस घर के बालक का भावनात्मक विकास भी अपेक्षाकृत अधिक अच्छा होता है और ऐसे घर के बालक अधिक भावात्मक सुरक्षा का अनुभव करते हैं। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए शैक्षिक अनुसंधानों से सिद्ध हुआ है, कि परिवार व घर का वातावरण भी बालक की शिक्षा-दीक्षा को प्रभावित करता है। परिवार के सदस्य बालक को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करते रहते हैं। मध्यम वर्ग के लोग बालक-बालिकाओं की शिक्षा के लिए सबसे अधिक त्याग करते हैं। अनुसंधानों से पताचलता है कि पारिवारिक वातावरण एवं शैक्षिक उपलब्धि में उच्च धनात्मक सहसम्बन्ध है। पारिवारिक वातावरण में अध्ययन सम्बन्धी प्रेरणा से बालक के ज्ञान में वृद्धि होती है। उसका मानसिक विकास होता है। विद्यार्थियों की शिक्षा तथा उसका विकास जन्म होने के बाद से ही प्रारम्भ हो जाती है। अतः जन्म से ही प्रत्येक बालक को एक पारिवारिक परिवेश प्राप्त होता है, यही से उसकी शिक्षा की शुरूआत होती है, इसलिये परिवार को बालक की प्रथम पाठशाला कहा जाता है और पारिवारिक वातावरण को बालक के सर्वांगीण विकास की आधारशिला। बालक अपना व्यवहार, आचार-विचार, नैतिकता आदि अपने परिवार की मान्यताओं के अनुसार निर्मित एवं विकसित करता है। शिक्षा का उद्देश्य बालक का सर्वांगीण विकास करना हैं, परन्तु इसमें पारिवारिक वातावरण की भूमिका मुख्य है।

पूर्व साहित्य का अध्ययन

राठौर, ए. (2008) ने "माध्यमिक स्तर शिक्षा के माध्यम का विद्यार्थियों की शैक्षिक रूचि एवं समायोजन पर प्रभाव का अध्ययन" किया। इस अध्ययन के लिए 100 विद्यार्थियों का चयन किया गया जिसमें 25 छात्र तथा 25 छात्रायें अंग्रेजी माध्यम तथा 25 छात्र तथा 25 छात्रायें हिन्दी माध्यम की थी। इस अध्ययन के लिए डॉ.एस.पी. कुलश्रेष्ठ (2007) द्वारा निर्मित शैक्षिक रूचि रिकार्ड और ए.के.पी. सिन्हा एवं आर.पी. सिंह द्वारा निर्मित समायोजन अनुसूची उपकरणों का उपयोग किया गया। अध्ययन में पाया कि शिक्षा के माध्यम का विद्यार्थियों शैक्षिक रूचि एवं समायोजन पर सार्थक प्रभाव पड़ता है।

श्री कांत और कल्पेश यादव (2006) ने "बच्चों में पारिवारिक समस्याओं का उनके गृह वातावरण के सन्दर्भ में अध्ययन" किया। इस अध्ययन में इन्होंने गृह वातावरण का गुणात्मक अध्ययन किया। अपने इस अध्ययन में इन्होंने 74 बच्चों को न्यादर्श के रूप में सम्मिलित किया

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, January 2023
Impact Factor: 7.301

जिसमें 40 लड़के और 34 लड़कियां थी। आँकडें एकत्र करने हेतु इन्होंने 20 एकाशों की स्वनिर्मित गृह वातावरण मापनी का प्रयोग किया। निष्कर्ष में पाया गया कि बालक तथा बालिकाओं के गृह वातावरण में सार्थक अंतर नही है तथा उम्र तथा लिंग के आधार पर बालक व बालिकाओं में उनके गृह वातावरण के सन्दर्भ में उनकी पारिवारिक समस्याओं में अंतर पाया गया।

अध्ययन का उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित उद्देश्य निर्धारित किये गये है।

- उत्तर माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के उच्च एवं मध्यम पारिवारिक वातावरण का उनकी सामाजिक बुद्धिमत्ता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण का उनकी सामाजिक बुद्धिमत्ता का तुलनात्मक अध्ययन करना।
- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण का उनकी सामाजिक बुद्धिमत्ता का तुलनात्मक अध्ययन करना।

परिकल्पनाएँ

प्रस्तुत अध्ययन में निम्नलिखित परिकल्पनाएँ हैं-

- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के उच्च एवं मध्यम पारिवारिक वातावरण का उनकी सामाजिक बुद्धिमत्ता में कोई अन्तर नहीं है।
- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्नपारिवारिक वातावरण का उनकी सामाजिक बुद्धिमत्ता में कोई अन्तर नहीं है।
- माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के मध्यम एवं निम्नपारिवारिक वातावरण का उनकी सामाजिक बुद्धिमत्ता में कोई अन्तरनहीं है।

शोध प्रविधि

प्रस्तुत अध्ययन में वर्णनात्मक शोध की सर्वेक्षणात्मक विधि काप्रयोग किया गया है। अध्ययन उच्चतर माध्यमिक स्तर के विद्यार्थियों के बीच में किया गया है। अध्ययन के लिये 240 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। प्रतिदर्श चयन में स्तरीय यादृच्छिक प्रतिदर्श विधि का प्रयोग किया गया है।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, January 2023
Impact Factor: 7.301

अध्ययन के लिये निम्न मापनी का प्रयोग किया है।

पारिवारिक वातावरण मापनी	के.एस.सिद्ध
सामाजिक बुद्धि मापनी	बिने साइमन परीक्षण

सांख्यकीय परीक्षण

प्रस्तुत अध्ययन के दौरान पारिवारिक वातावरण और सामाजिक बुद्धि मापनी से प्राप्त ऑकड़ों को संकलित कर वर्गीकरण और उनका विश्लेषण कर सांख्यिकी विधि के प्रयोग टी-परीक्षण से मूल्य ज्ञात किया गया है।

विश्लेषण, व्याख्या और अर्थ

परिकल्पना क्रमांक-01-माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के उच्च एवं मध्यम पारिवारिक वातावरण का उनकी सामाजिक बुद्धिमत्ता में कोई अन्तर नहीं है।

तालिका क्रमांक-01: विद्यार्थियों के उच्च एवं मध्यम पारिवारिक वातावरण का उनकी सामाजिक बुद्धिमत्ता का मध्यमान, मानक विचलन एवं टी-मान एवं सार्थकता स्तर

समूह	संख्या(N)	मध्यमान(M)	मानक विचलन(D)	मुक्तांश (DF)	टी-मान (t-value)	सार्थकता स्तर
उच्च पारिवारिक के विद्यार्थी	**55**	428.56	29.03			.01 स्तर पर सार्थकता
मध्यम पारिवारिक के विद्यार्थी	**140**	426.87	30.43	193	9.46	

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, January 2023
Impact Factor: 7.301

रेखाचित्र क्रमांक-01

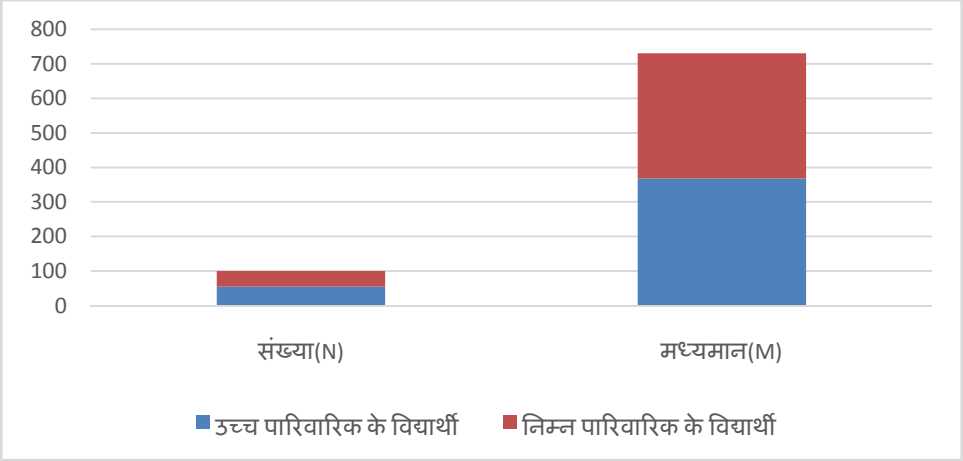

विश्लेषण

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि उच्च पारिवारिक वातावरण एवं मध्यम पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों के अन्तर का परिगणित टी-अनुपात का मान 9.46 है, जो .01 स्तर पर सार्थक है। अतः शून्य उपपरिकल्पना "विद्यार्थियों के उच्च एवं मध्यम पारिवारिक वातावरण का उनकी सामाजिक बुद्धिमत्ता में सार्थक अंतर नहीं है" निरस्त की जाती है। अतः प्राप्त परिणाम से स्पष्ट है, कि उच्च पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की सामाजिक बुद्धिमत्ता, मध्यम पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की सामाजिक बुद्धिमत्ता की तुलना में उच्च पायी गयी।

परिकल्पना-02-माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्नपारिवारिक वातावरण का उनकी सामाजिक बुद्धिमत्ता में कोई अन्तरनहीं है।

तालिका क्रमांक-02: विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्न पारिवारिक वातावरण का उनकी सामाजिक बुद्धिमत्ता का मध्यमान, मानक विचलन एवं टी-मान एवं सार्थकता स्तर

समूह	संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन(D)	मुक्तांश (DF)	टी-मान (t-value)	सार्थकता स्तर
उच्च पारिवारिक के विद्यार्थी	55	367.89	28.89	98	13.67	.01 स्तर पर सार्थकता
निम्न पारिवारिक के विद्यार्थी	45	362.78	28.45			

रेखाचित्र क्रमांक-02

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, January 2023
Impact Factor: 7.301

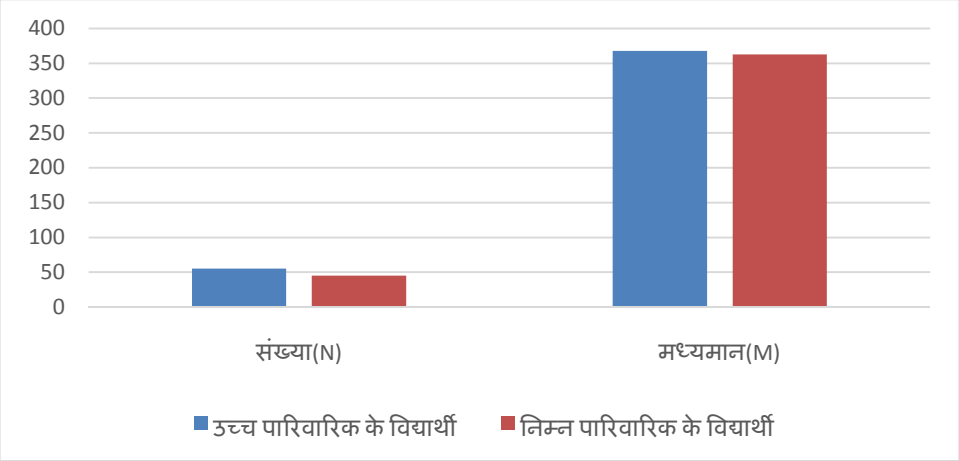

विश्लेषण

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि उच्च पारिवारिक वातावरण एवं निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों के अन्तर का परिगणित टी-अनुपात का मान 13.67 है, जो .01 स्तर पर सार्थक है। अतः शून्य उपपरिकल्पना "विद्यार्थियों के उच्च एवं निम्नपारिवारिक वातावरण का उनकी सामाजिक बुद्धिमत्ता में सार्थक अंतर नहीं है" निरस्त की जाती है। अतः प्राप्त परिणाम से स्पष्ट है, कि उच्च पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की सामाजिक बुद्धिमत्ता, निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की सामाजिक बुद्धिमत्ता की तुलना में उच्च पायी गयी।

परिकल्पना-03-माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् विद्यार्थियों के मध्यम एवं निम्नपारिवारिक वातावरण का उनकी सामाजिक बुद्धिमत्ता में कोई अन्तरनहीं है।

तालिका क्रमांक-02:विद्यार्थियों के मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण का उनकी सामाजिक बुद्धिमत्ता का मध्यमान, मानक विचलन एवं टी-मान एवं सार्थकता स्तर

समूह	संख्या (N)	मध्यमान (M)	मानक विचलन(D)	मुक्तांश (DF)	टी-मान (t-value)	सार्थकता स्तर
मध्यम पारिवारिक के विद्यार्थी	140	345.90	3087	183	9.78	.01 स्तर पर सार्थकता
निम्न पारिवारिक के विद्यार्थी	45	323.78	29.67			

रेखाचित्र क्रमांक-03

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, January 2023
Impact Factor: 7.301

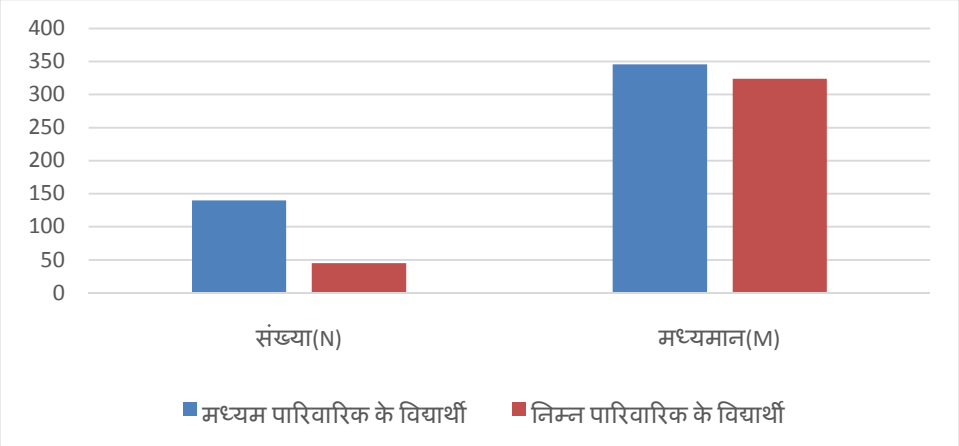

विश्लेषण

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि मध्यम पारिवारिक वातावरण एवं निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों के अन्तर का परिगणित टी-अनुपात का मान 9.78 है, जो .01 स्तर पर सार्थक है। अतः शून्य उपपरिकल्पना "विद्यार्थियों के मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण का उनकी सामाजिक बुद्धिमत्ता में सार्थक अंतर नहीं है" निरस्त की जाती है। अतः प्राप्त परिणाम से स्पष्ट है, कि मध्यम पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की सामाजिक बुद्धिमत्ता, निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की सामाजिक बुद्धिमत्ता की तुलना में उच्च पायी गयी।

निष्कर्ष

प्रस्तुत अध्ययन के निष्कर्ष में पाया गया कि माध्यमिक स्तर पर अध्ययनरत् उच्च, मध्यम एवं निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों की सामाजिक बुद्धिमत्ता में सार्थक अंतर है। इसका अर्थ है कि पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में सामाजिक बुद्धिमत्ता में सार्थक अन्तर पाया। कुछ शोध अध्ययनों द्वारा भी यह शोध सिद्ध होता है, जिसमें विद्यार्थियों की सामाजिक बुद्धि, परिवार के वातावरण की स्वतंत्रता औरर संघर्ष के पक्ष से काफी महत्वपूर्ण है।

सुझाव

जब हम बालक का शारीरिक विकास, सामाजिक व्यवहारिक मूल्य, बौद्धिक विकास, आर्थिक स्तर समायोजन क्षमता को ज्ञात करते हैं, तो पाते है, कि बालक सबसे ज्यादा अपने माता-पिता से प्रभावित होता है। बालक के विकास में माता-पिता की भूमिका सबसे अहम होती है क्योंकि घर ही

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, January 2023
Impact Factor: 7.301

उसकी प्रथम पाठशाला है। अभिभावकों के संवेगों का बच्चों पर प्रभाव पड़ता है यह प्रभाव उसकी बुद्धि तथा सीखने की क्षमता पर भी पड़ता है।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

[1]. एंथोनी, ओ. ओवेटा (2014), होम इनवायरमेण्टल फैक्टस इफेक्टिंग स्टूडेन्ट्स, एकेडेमिक परफार्मेन्स इन एबिया स्टेट, नाइजीरिया, रूरल इनवायरमेण्ट, एजूकेशन पर्सनाल्टी-जेलगावा, 7-8-02-2014, पृ0 141-179।

[2]. कुमार ए. (2016). इम्पैक्ट ऑफ फैमिली क्लाइमेट, एकेडमिक मोटिवेशन एण्ड एडजस्टमेन्ट ऑन एकैडमिक अचीवमेन्ट ऑफ एडोलोसेन्टस, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़।

[3]. क्लैसेल्वन, एस० एण्ड महेश्वरी, के० (2016), "ए स्टडी ऑन इमोशनल मैच्योरिटी अमंग द पोस्ट ग्रेजूएट स्टूडेन्टस",जर्नल ऑफ हयूमनिटिज एण्ड साइन्स, आइ.अ॔.एस.आर वाल्यूम 21, पृ 32-34।

[4]. चोथानी, के० एण्ड वलन्द, पी०वी० (2014), "इमोशलन मैच्योरिटी अमंग नार्मल एण्ड स्पेशल स्कूल टीचर", क्रिएटिव स्पेस,इंटरनैशनल जर्नल, वॉल्यूम 2, इषु 3-4, पृ 20-28।

[5]. जाफरी, एस० (2011), "इम्पैक्ट ऑफ फैमिली क्लाइमेट, मेन्टल हैल्थ, स्टडी हैबिट्स एण्ड सेल्फ कॉन्फिडेन्स ऑन दएकेडमिक अचीवमेन्ट ऑफ सीनियर सेकेन्ड्री स्टूडेन्ट्स", बुन्देलखंड यूनिवर्सिटी, झांसी।

[6]. शाह बी0 (1990), फैमिली क्लाइमेट स्केल, नैशनल साइकोलॅजिकल कार्पोरेशन, आगरा।

[7]. सिंह वाई. एण्ड भार्गव एम0 (1990), इमोशनल मैच्योरिटी स्केल, नेशनल साइकोलॉजिकल कार्पोरेशन, आगरा।

[8]. भूषण एल. (2013). ए कॅम्पेरेटिव स्टडी ऑफ फैमिली क्लाइमेट, स्कूल एडमस्टमेन्ट, एटीट्यूड टूर्वा इस एजूकेशन एण्डएकेडमिक अचीवमेन्ट ऑफ जनरल एस.सी. एण्ड ओ.बी.सी. स्टूडेन्ट्स इन हरियाणा, महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी, रोहतक।